RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार, 28 फरवरी 2023 वर्ष 04 अंक 269 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

युवाओं को मिलेगी नौकरी

600 रोजगार मेले आयोजित करेगी

महाराष्ट्र सरकार

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। राज्यपाल रमेश बैस ने सोमवार को राज्य विधानमंडल को संबोधित करते हुए बताया कि महाराष्ट्र सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 में 600 रोजगार मेले आयोजित करेगी।

45 कंपनियों के साथ हुआ समझौता

अपने संबोधन में राज्यपाल बैस ने बताया कि 1.25 लाख नौकरियां सृजित करने के लिए 45 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए है। इसके अलावा 24 परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जिसमें 87,774 करोड़ रुपये के निवेश की राशि शामिल है, जिससे 61,000 रोजगार सृजित हुए हैं।''

स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन की दोगुनी

रमेश बैस ने अपने संबोधन में बताया कि राज्य सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों और उनके जीवनसाथी की पेंशन 10,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 प्रति माह दोगुनी कर दी है।

पिछले महीने 19 कंपनियों के साथ किया समझौता

पिछले महीने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक की गई थी। इस बैठक के दौरान राज्य सरकार ने 1.37 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए 19 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था। राज्यपाल बैस ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 4.85 लाख युवाओं और 2.81 लाख किसानों के लिए सफलतापूर्वक ट्रेनिंग आयोजित किया है।

रात को आया वीडियो कॉल

रिसीव किया तो बिना कपड़ों के दिखी महिला...

फिर लग गया तीन लाख का चूना

मुंबई : मुंबई के अंधेरी इलाके के पश्चिमी उपनगर में एक 30 वर्षीय शख्स सेक्सटॉर्शन का शिकार हो गया. ठगों ने उससे कहा कि उनके पास उसका आपत्तिजनक वीडियो है, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया है, यदि वह उस वीडियो हटवाना चाहता है तो उन्हें पैसे दे और इस तरह ठगों ने उससे तीन लाख रुपए ठग लिये. एक पुलिस अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि यह घटना जब सामने आई जब पीड़ित ने शनिवार को इसको लेकर पुलिस में शिकायत दी.

3 लाख लेने का बाद भी नहीं माने ठग

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि अगले दिन अन्य नंबर से कॉल आया, जिसमें फोन करने वाले ने दावा किया कि उसकी आपत्तिजनक वीडियो यूट्यूब पर मौजूद है और यदि वह उस वीडियो को हटवाना चाहता है तो उसे 31,500 रुपए देने होंगे. पीड़ित ने कॉलर के झांसे में आकर ऑनलाइन 31,500 रुपए पे कर दिए. इसके बाद उसे दो और कॉल आईं, जिसमें कॉलर ने कहा कि उसकी दो और वीडियो हैं जिन्हें डिलीट करवाने के लिए उसे 62500 रुपए देने होंगे. पीड़ित ने ये पैसे भी ट्रांसफर कर दिये. इसके बाद आरोपियों ने उसे फिर कॉल किया और डेढ़ लाख रुपए की मांग की. आरोपियों की मांग पूरी करने के लिए उसने अपने दोस्त से इन पैसों का जुगाड़ किया और इस तरह उसने कुल 3.06 लाख रुपए गंवा दिये. जब आरोपी इतने पर भी नहीं माने तो पीड़ित ने पुलिस में इसकी शिकायत दी. अधिकारियों ने कहा कि पीड़ित की शिकायत पर धारा 420 (धोखाधड़ी) और आईपीसी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के अन्य प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले में आगे की जांच जारी है.

बिना कपड़ों के महिला ने किया वीडियो कॉल

पुलिस ने बताया कि पीड़ित एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है, उसने दावा किया कि 22 फरवरी की रात को उसे एक अज्ञात नंबर से उसके व्हाट्सएप पर एक वीडियो कॉल आया. जब उसने कॉल उठाई तो उसे वीडियो कॉल पर एक बिना कपड़ों की महिला दिखाई दी, जिसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था, इसके बाद उसने फोन काट दिया. पीड़ित ने दावा किया कि इसके बाद उसे उसी रात तीन और कॉल आईं.

ठाणे में अज्ञात लुटेरों ने एक गायिका पर किया हमला, चेन छीनी गई

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दो अज्ञात लुटेरों ने 79 वर्षीय एक गायिका पर हमला कर उन्हें लूट लिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिले के डोंबिवली कस्बे में रविवार रात करीब नौ बजे हुई, जब गायिका शुभदा पावगी अपने बेटे के साथ घर जा रही थीं। पावगी भारतीय शास्त्रीय संगीत की हिंदुस्तानी शैली की गायिका हैं। अधिकारी ने बताया कि दोपहिया वाहन पर सवार आरोपियों ने बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी और उनकी करीब दो लाख रुपये की सोने की चेन लेकर फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि गायिका की गर्दन में मामूली चोटें आई हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

शिवसेना प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने आदित्य ठाकरे पर कसा तंज

क्या मातोश्री और खोखे अलग हैं?

ठाणे : जिसके घर शीशे के है वे दूसरों के घरों पर पत्थर फेंकने की कोशिश न करें। यदि हमारे मुंह खुले तो महाराष्ट्र में मुंह दिखाने की भी जगह नहीं बचेगी और बर्बाद हो जाओगे। उक्त बातें शिवसेना प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने आदित्य ठाकरे पर हमला बोलते कही। साथ ही उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि क्या मातोश्री और खोखे अलग हैं। साथ ही उन्होंने भास्कर जाधव पर भी निशाना साधा और कहा कि जाधव ठाणे में आकर मुख्यमंत्री की आलोचना कर रहे हैं, परंतु यह सभी को पता चल गया है कि ठाकरे गुट में कुछ भी नहीं बचा है, इसलिए अब भास्कर शिंदे गुट में आने के लिए सीएम को फोन किया था और कहा था कि राणे और उदय सामंत के बारें में निर्णय ले तो मैं विचार करूंगा। नरेश म्हस्के ने कहा कि भास्कर जाधव फिलहाल यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह मातोश्री में कितने वफादार हैं, लेकिन जब वे एनसीपी में गए थे तो उस दौरान उन्होंने ठाकरे परिवार पर हमला बोला था और उनका अपमान किया था यह सभी जानते है।

ठाकरे सरनेम के अलावा कुछ नहीं है: म्हस्के

शिवसेना प्रवक्ता और पूर्व मेयर नरेश म्हस्के ने सबसे पहले आदित्य ठाकरे के दौरों की ओर इशारा किया। उन्होंने सीधे तौर पर पूछा कि आदित्य ठाकरे के नाम की ब्रांडिंग के लिए और फिर उनकी संवाद यात्रा, विदेश दौरों के लिए पैसा कहां से आया? उन्होंने आदित्य पर आरोप लगाते हुए यह भी सवाल उठाया कि क्या मातोश्री और खोके अलग हैं? उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मातोश्री में चंदू-नंदू कौन है और कौन-कौन पैसे गिनता है यदि इसका खुलासा उन्होंने कर दिया तो सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाएगा।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

कश्मीरी हिंदू की हत्या

पुलवामा में संजय शर्मा नामक कश्मीरी हिंदू की हत्या सरकार के उन दावों पर सवाल खड़ा करने वाली है कि वहां के हालात सामान्य हो रहे हैं। संजय शर्मा की जिस तरह दिनदहाड़े हत्या की गई और एक आतंकी संगठन की ओर से उसकी जिम्मेदारी लेने से भी संकोच नहीं किया गया, उससे यही पता चलता है कि आतंकियों का दुस्साहस अभी भी बढ़ा हुआ है और वे कश्मीर में अल्पसंख्यकों को चुन-चुनकर निशाना बनाने में सक्षम हैं।

कश्मीर में यह किसी कश्मीरी हिंदू की पहली हत्या नहीं है। वहां रह-रह कर न केवल कश्मीरी हिंदू निशाना बनाए जा रहे हैं, बल्कि काम-धंधे की तलाश में वहां जाने और रहने वाले गैर कश्मीरी भी। यह सही है कि कश्मीरी हिंदुओं और गैर कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले आतंकी आखिरकार मार गिराए जाते हैं, लेकिन उन्हें निशाना बनाने का सिलसिला जिस तरह थम नहीं रहा, वह चिंता की बात है। यदि घाटी में कश्मीरी हिंदुओं को इसी तरह निशाना बनाने का सिलसिला कायम रहा तो वहां से पलायन करके जम्मू और देश के दूसरे हिस्सों में आ बसे कश्मीरी पंडितों को वापस ले जाकर बसाना कठिन होगा।

सरकार कुछ भी दावा करे, जब तक कश्मीरी हिंदू अपने घरों को वापस नहीं लौटते, तब तक यह नहीं कहा जा सकता कि वहां के हालात सामान्य हो रहे हैं। राज्य सरकार के साथ केंद्र सरकार को ऐसे जतन प्राथमिकता के आधार पर करने होंगे, जिससे कश्मीरी हिंदू अपने घरों को लौट सकें। इसके लिए आवश्यक हो तो लीक से हटकर कठोर कदम उठाने में भी हिचकिचाहट नहीं दिखानी चाहिए। आतंकियों को ऐसा कोई संदेश देने की सख्त जरूरत है कि वे कुछ भी कर लें, सरकार कश्मीरी हिंदुओं की घर वापसी कराके ही चैन से बैठेगी।

यह सही समय है कि केंद्र और राज्य सरकार इस पर विचार करें कि कश्मीर में वैसा माहौल कैसे बनाया जाए, जिससे कश्मीरी हिंदू अपने घरों को लौट सकें और वहां सुरक्षित भी रहें। पुलवामा में आतंकियों का निशाना बने संजय शर्मा उन चंद कश्मीरी हिंदुओं में से थे, जिन्होंने तब भी पलायन नहीं किया था, जब कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था और उसके चलते अधिकांश कश्मीरी हिंदू वहां से भाग आए थे। एक और कश्मीरी हिंदू की हत्या के बाद एक ओर जहां बचे-खुचे कश्मीरी हिंदू कश्मीर से पलायन करने के बारे में सोच सकते हैं, वहीं दूसरी ओर वे कश्मीरी हिंदू वापसी के विचार का परित्याग कर सकते हैं, जो जम्मू में रह रहे हैं। कश्मीरी हिंदू की कायरना तरीके से हत्या के बाद राज्य प्रशासन के लिए उन हिंदू कर्मचारियों को वापस घाटी जाकर काम करने के लिए मनाना कठिन होगा, जो पहले से ही वहां जाने से कतरा रहे हैं और यह मांग करने में लगे हुए हैं कि उन्हें जम्मू में ही नौकरी करने दी जाए।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

न्यू पनवेल में हुए मर्डर का आरोपी निकला बांग्लादेशी

18 माह से भारत में रह रहा था अवैध रूप से, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवी मुंबई : न्यू पनवेल के सेक्टर-18 में नवंबर 2022 में एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। इस मामले में खांदेश्वर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिन्हें कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा था। उक्त हत्याकांड की जांच करने के दौरान अब खांदेश्वर पुलिस को पता चला कि तीन में से एक आरोपी पप्पू उर्फ शफीक उल अहमद डेढ़ 18 माह पहले बांग्लादेश से भारत आया था और अवैध रूप से गुजरात और पनवेल में रह रहा है। यह आरोपी फिलहाल हत्या के मामले में न्यायिक हिरासत में है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी पप्पू उर्फ शफीक नवंबर माह में न्यू पनवेल के पोदी नंबर-2 में आया था। जहां पर रहने वाली एक विवाहिता से उसका प्रेम संबंध बन गया था, लेकिन उनका पति इस रिश्ते में रोड़ा था, इसलिए आरोपी पप्पू ने पश्चिम बंगाल से अपने 2 साथियों को न्यू पनवेल बुलाकर विवाहिता के पति का गला रेत कर हत्या कर दी। इस मामले में पप्पू और उसके साथियों को गिरफ्तार किया गया था।

गुजरात के सूरत में बनाया था आधार कार्ड

हत्या की जांच पूरी कर के खांदेश्वर पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया है। इस बीच पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी पप्पू उर्फ शफीक मई 2021 में बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ कर अवैध रूप से गुजरात के सूरत और बाद में पनवेल में रह रहा था। इस दौरान पता चला कि वह कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहा है और वहां रह रहा है। उसने गुजरात में आधार कार्ड भी बनवाया था। जिसके आधार पर अब खांदेश्वर पुलिस ने उसके खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत मामला भी दर्ज किया हैं।

ठाणे के एक इलाके में लगी आग पांच वाहन जलकर हुए खाक

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर के एक इलाके में सोमवार तड़के भीषण आग लगने से पांच वाहन जलकर खाक हो गए। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने बताया कि वर्तक नगर इलाके में तड़के करीब चार बजे लगी आग में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि इलाके में एक इमारत के सामने खुले मैदान में कई वाहन खड़े थे। सावंत के मुताबिक, सूचना मिलने पर स्थानीय दमकलकर्मी और आरडीएमसी की टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक पांच वाहन जलकर खाक हो चुके थे। सावंत ने कहा कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

भाजपा दादर में मुसलमान सब्जी बिक्रेता बता रही है बांग्लादेशी , मुंबई का माहौल खराब करने कि कोशिश

दादर : मुंबई के दादर इलाके में फूल मार्केट के पास होलसेल सब्जी मार्किट लगती है वह पर मुसलिम समाज के लोगो धंदा लगाते है । इस बात पर फेम पाने केलिए भाजपा कि माहिम विधान सभा अद्यक्ष अक्षता तेंदुलकर ने भारत के मुसलमानो को बांग्लादेशी रोगनिया मुसलमान सर्टिफिकेट देने पर उतारू है । काफी समय से लोगो को परेशान करना पर उतारू होचुकी हैं सूत्रों ने भी बताया है जमाल शेख नामक शख्स के खिलाफ झुटे कंप्लेंट किया गया के वह बांग्लादेशी रोगनिया है लेकिन अक्षता को या नही पता वह उत्तर प्रदेश से है और अपने गांव के सरपंच है । भाजपा के माहिम दादर इकाई में फूट पढ़ी है

क्यों की महानंगर पालिका इलेक्शन नसजिद है । माहिम विधान सभा अद्यक्ष अक्षता तेंदुलकर अखेले पड़ती दिखाई दे रही है । भाजपा के सूत्रों ने ये भी बताया ये सब मुंबई महानंगर पालिका चुनाव के लिए भाजपा से टिकट लेने का स्टंट है लेकिन ये स्टंट भाजपा को महानंगर पालिका चुनाव में महँगा पड़ सकता है और मुंबई का माहौल खराब भी हो सकता है ।

पंढरपुर में तेज रफ़्तार कार की टक्कर में गई 5 साल के नाती और नानी की जान, अन्य तीन घायल

पंढरपुर : पंढरपुर से एक भयानक हादसा सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े एक परिवार को टक्कर मार दी। इस टक्कर में नानी और नाती की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे के बाद पुलिस ने कार ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। मृतक नानी का नाम द्रौपदा शिवाजी अटपडकर और नाती का नाम सिद्धेश्वर कालेल हैं। इस भीषण टक्कर में लड़के के

पिता नामदेव कालेल और उसकी मां रुक्मिणी कालेल भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उसका इलाज सांगोला के अस्पताल में चल रहा है।

मिली हुई जानकारी के अनुसार, कालेल परिवार रोजगार के सिलसिले में मुंबई जा रहा था। वे पंढरपुर-अटपडी मार्ग पर शेरेवाडी के पास सड़क के किनारे खड़े होकर ट्रैवल्स की राह देख रहे थे। इसी दौरान सामने से एक तेज रफ्तार कार आ गई। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते इस कार ने कालेल परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तेज रफ्तार कार सीधे दुकान में जा घुसी। जिस वजह से दुकान की दीवार गिर गई। इस भयानक हादसे में द्रौपदा शिवाजी अटपड़कर की कार के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सिद्धेश्वर कालेल के ऊपर दुकान की दीवार गिरने से मौत हो गई।

इस भंयकर हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों के साथ पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना से इलाके में काफी सनसनी है। पुलिस ने इस मामले में कार ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। दुर्घटना में शामिल कार एक राजनीतिक नेता की बताई जा रही है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार, 28 फरवरी 2023

राज्य में महिला पुलिस अधिकारी...

कर्मी की हो बढ़ोतरा केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिया सुझाव

वसई : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि राज्यों को अपने पुलिस बलों में महिला पुलिस का प्रतिशत बढ़ाकर ३३ प्रतिशत करना चाहिए। विभाग ने यह भी कहा कि पुलिस बल में कुछ रिक्त पदों को महिला पुलिस कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर के पदों में परिवर्तित किया जाना चाहिए। पुलिस बल में महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती करना और उनकी संख्या बढ़ाना राज्यों की जिम्मेदारी है। पुलिस बल में पुरुष और महिला पुलिस की संख्या में संतुलन बनाए रखने के लिए राज्यों को काम करना होगा। केंद्र सरकार देश में महिला पुलिस की संख्या बढ़ाने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। केंद्र ने बार-बार राज्यों को पुलिस बल की संख्या बढ़ाकर ३३ प्रतिशत करने का निर्देश दिया है। वर्तमान में राज्य में महिला पुलिस का अनुपात केवल ११.७५ प्रतिशत है।प्रत्येक पुलिस स्टेशन में कम से कम १३ महिला पुलिसकर्मियों को रखने का फामूर्ला तय किया गया है। प्रत्येक थाने म-तीन महिला उप निरीक्षक व १० महिला सिपाही की नियुक्ति की जाए। इसलिए महिला हेल्प डेस्क २४ घंटे काम कर सकेगी,मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय में वर्तमान में २६७ महिला पुलिस अधिकारी हैं जिनमें २४३ महिला कर्मचारी और २४ महिला अधिकारी शामिल है।

38 हजार 386 कुत्तों की नशबंदी पर

11 साल में 4 करोड़ 57 लाख रुपये खर्च

इसके बाद भी कुत्तो की संख्या में बेतहाशा वृद्धि...

वसई : वसई विरार शहर महानगरपालिका के एकल केंद्र नवघर में आवारा कुत्तों की नसबंदी की जाती है,अक्टूबर 2011 से अक्टूबर 2022 तक ग्यारह वर्षों में महानगर पालिका ने 38 हजार 386 कुत्तों पर 4 करोड़ 57 लाख 8 हजार 180 रुपये खर्च किये हैं। महा नगरपालिका ने नालासोपारा और वसई गांव में दो कुत्तो का नसबंदी केंद्र करने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन जगह की कमी के कारण यह प्रस्ताव अभी तक कागजों पर ही है। शहर में इस समय आवारा कुत्तों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है । और रोजाना 20 से 30 नागरिक इन आवारा कुत्तों के शिकार हो रहे हैं. आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिए नए केंद्र की जरूरत के बावजूद विविसीएमसी उदासीन है। विविसीएमसी की सीमा में कुत्तों की गिनती नहीं की गई है लेकिन

बताया जाता है कि 45 से 50 हजार से ज्यादा कुत्ते हैं।वसई विरार में आवारा कुत्तों का खतरा बढ़ता जा रहा है। हर दिन 30 से ज्यादा नागरिकों को कुत्तों द्वारा शिकार किया जाता है, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की संख्या सबसे अधिक है। शहर में आवारा कुत्तों की संख्या के बारे में महानगर पालिका के पास कोई जानकारी नहीं है। जानवरों की गिनती के दौरान कुत्तों की संख्या भी गिनी जाती है।लेकिन महा नगर पालिका ने पशुओं की गिनती में अपनी भागीदारी दर्ज नहीं कराई है, इसलिए महानगर पालिका के पास इसका कोई आंकड़ा नहीं है।महानगर पालिका अपने उपायों को केवल इस बात पर आधारित कर रही है कि कितने कुत्तों को टीका लगाया गया है। शिवसेना के पालघर जिला प्रमुख (अल्पसंख्यक विभाग) सलीम आर खान (उर्फ शारूख खान ने बताया कि वसई तालुका में आवारा कुत्तों की संख्या बहुत ही ज्यादा बढ़ती जा रही है । ये आवारा कुत्ते जगह जगह झुंड बनाकर गली मोहल्ले ,रोड पर बैठे रहते है उधर से आने जाने वाले स्कूल के बच्चे , महिला , बृद्ध लोगो को आवारा कुत्ते काट लेते है । दिन प्रतिदिन आवारा कुत्तों की जनसंख्या में लागतार इजाफा हो रहा है । वही महानगर पालिका के अधिकारी के अनुसार अक्टूबर 2011 से अक्टूबर 2022 तक ग्यारह वर्षों में 38 हजार 386 कुत्तों की नसबंदी कर चुकी है। वसई के नवघर में आवारा कुत्तों के लिए एकमात्र कुत्ता नसबंदी केंद्र है। वही समाज सेवकगंगा यादव का कहना है कि जब तक विविसीएमसी सीमा के भीतर वार्डवार कुत्तों की नसबंदी केंद्र नहीं होगा तब तक आवारा कुत्तों की जनसंख्या पर लगाम नहीं लगेगा। वही मनपा के रिकार्ड के अनुसार एक कुत्ते नर या मादा कुत्ते की नसबंदी (सर्जरी) में एक कुत्ते की लागत 1,190 रुपये है। मनपा 11 वर्ष में नसबन्दी के नाम पर 4 करोड़ 57 लाख 8 हजार 180 रुपये खर्च कर चुकी हैं। इसके बावजूद शहर में आवारा कुत्तों की संख्या पर काबू नहीं पाया जा सका है।

एक्शन में 'लेडी सिंघम'... महिला पुलिस अधिकारी ने दायर की तुनिषा

शर्मा मामले में 524 पन्ने का चार्जसिट

वसई : देश में पिछले कुछ महीनों में चर्चित टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा आत्महत्या का मामला सुर्खियों में चल रहा है, जो कि मीरा भाईंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत वालीव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज है। बताया गया है वालीव पुलिस स्टेशन की महिला अधिकारी पुलिस अधिकारी (पीएसआई) लक्ष्मी बोरकर ने गुरुवार को वसई कोर्ट में आरोपी शिजान खान के खिलाफ ५२४ पन्नों की चार्जशीट दायर की है, जिससे साफ जाहिर हो रहा है कि महिला पुलिस अधिकारी किसी सिंघम से कम नहीं ! बता दे चार्जसीट में महिला पुलिस अधिकारी ने उल्लेख किया गया है कि शिजान खान से मिलने के बाद तुनीषा शर्मा ने आत्महत्या की, जो आत्महत्या का दोषी से जान खान तो ठहराया।

नासिक में वीर सावरकर सर्किट का ऐलान !

20 साल से अटकी योजना को अब महाराष्ट्र सरकार करेगी साकार...

मुंबई: विनायक दामोदर सावरकर को समर्पित एक भव्य 'थीम पार्क' और संग्रहालय नासिक जिले में उनके पैतृक गांव भागुर में बनवाने की घोषणा पर्यटन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने रविवार को की। सावरकर की पुण्यतिथि पर रविवार को भागुर में आयोजित एक कार्यक्रम में लोढ़ा ने कहा कि हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को समर्पित एक भव्य 'थीम पार्क' और संग्रहालय नासिक जिले में उनके पैतृक गांव भागुर में बनवाया जाएगा। इसके अलावा उनके जीवन से जुड़े क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक सर्किट भी होगा। यह सर्किट नासिक में भागुर को पुणे, सांगली, रत्नागिरी और मुंबई से जोड़ेगी। लोढ़ा ने कहा कि वीर सावरकर का जीवन और उनके विचार सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। महाराष्ट्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि पूरा संसार उनके जीवन और काम के बारे में जाने। हम वीर सावरकर को समर्पित अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक भव्य पार्क और संग्रहालय का निर्माण करेंगे।

सावरकर सर्किट में क्या जुड़ेगा ?

मंत्री ने आगे कहा कि थीम पार्क का प्रबंधन महाराष्ट्र के पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा और इसके निर्माण का काम जल्द पूरा कराया जाएगा। लोढा ने कहा कि हम वीर सावरकर पर्यटन सर्किट का सृजन करेंगे, जिसके दायरे में भागुर, नासिक स्थित अभिनव भारत मंदिर, पुणे स्थित सावरकर चेयर केंद्र, फर्गुसन कॉलेज हॉस्टल, सांगली स्थित बाबाराव सावरकर स्मारक, रत्नागिरी स्थित पतितपावन मंदिर और मुंबई स्थित सावरकर स्मारक शामिल है। मंत्री ने बताया कि राज्य पिछले 20 वर्षों से लटके थीम पार्क को पूरा करने के लिए 5 करोड़ रुपये खर्च करेगा। उन्होंने कहा कि एक साल के भीतर (मई 2024 तक), हम भागुर में थीम पार्क तैयार कर लेंगे। लोढ़ा ने कहा कि हम वर्तमान में नियोजित 2,000 वर्गफुट जगह के मुकाबले 10,000 वर्गफुट पर स्वातंत्र्यवीर सावरकर के जीवन और समय को प्रदर्शित करने वाले एक संग्रहालय का निर्माण करेंगे।

श्रेणी का बनेगा टूरिस्ट प्लेस

मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि अगले 15 दिनों में, सरकार भागुर में स्वातंत्र्यवीर स्मारक को 'बी' श्रेणी का पर्यटन केंद्र घोषित करेगी। बी श्रेणी का पर्यटन होने से यह पर्यटकों को आकर्षित करने और बढ़ाने के लिए सरकार से विशेष सहायता प्राप्त करने में मदद करेगा।

ट्रेनों पर मारने वाला पत्थरबाज आरोपी गिरफ्तार

वसई : अक्सर हम लोग देखते है कि रेल प्रशासन आए दिन विभिन्न माध्यमों के जरिए यात्री व आसपास के रहने वाले लोगो को जागरूक करती रहती है कि लोकल ट्रेनों व अन्य गाडियों पर पत्थर न फेके व रेल पटरी पार न करें। लेकिन इसके बावजूद प्रशासन के जागरूक को ठेंगा दिखाते हुए नियमो को तोड़ रहे है। इसी क्रम में आरपीएफ नालासोपारा ने एक १९ वर्षीय शख्स को लोकल ट्रेन पर पत्थर मारने के मामले में पकड़ा व उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार,२३ फरवरी को आरपीएफ नालासोपारा निरीक्षक राजीव सिंह सलारिया ने गाड़ियों पर पत्थर वाजी रोकथाम के लिए एक टीम गठित किया,जिसमे स.उप निरीक्षक भगवान सिंह गुर्जर साथ में एच.सी राकेश सिंह,एच.सी जगदीश पाटिल,एच.सी संदीप गायकवाड,कॉन्स्टेबल अर्जुन लाला सैनी,कॉन्स्टेबल शक्ति सिंह आदि शामिल है। इन्ही टीम को गुप्त सूत्रों के माध्यम से एक बाहरी व्यक्ति को पकड़कर पोस्ट पर लेकर आए,आरपीएफ एएसआई भगवान सिंह गुर्जर द्वारा पूछताछ करने पर अपना नाम करम खान मोहम्मद ताहिर उम्र १९ वर्ष,निवासी- सितारा बेकरी के पास रहमत नगर नालासोपारा पूर्व बताया,आगे बताया कि अनधिकृत रूप से रेल लाइन पर प्रवेश कर लाइन पर पत्थर रखकर व रेल गाड़ियों पर पत्थर फेंकने का गुनाहा स्वीकार बाद सभी कानूनी कार्यवाही पूर्ण कर उनके खिलाफ कलम १४७,१५४ आरए के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ़्तार कर लिया है। मामले की जांच स उ नि भगवान सिंह गुर्जर द्वारा की जा रही है।

अब 10 मिनट में भर्ती हो जाएगा मरीज KEM अस्पताल का प्रयोग

हॉस्पिटल में MBA ग्रेजुएट कर रहे भीड़ नियंत्रण

मुंबईः केईएम अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने की दिशा में अस्पताल प्रशासन समय-समय पर विभिन्न उपाय योजना करता रहा है। इसी कड़ी में कैजुअल्टी विभाग में भीड़ का प्रबंधन करने के लिए उठाए गए कदम का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। इसके लिए नियुक्त किए गए एमबीए स्नातकों की मदद से न सिर्फ कैजुअल्टी विभाग में भीड़ कम हुई, बल्कि इमर्जेंसी मरीजों की जांच से लेकर भर्ती तक 10 मिनट के भीतर हो रही है। केईएम अस्पताल प्रशासन ने 16 जनवरी को 6 एमबीए स्नातकों की नियुक्ति की थी।

यह नियुक्ति कैजुअल्टी विभाग की भीड़ को कम करने और मरीजों को होने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए की गई थी। उनकी नियुक्ति

के एक महीने के भीतर इन 6 'सेवा प्रबंधकों' ने केईएम अस्पताल की डीन डॉ. संगीता रावत को कई सुझाव दिए, जिसे अमल में लाते हुए प्रशासन को अपना यह प्रयोग सफल होता दिखाई दे रहा है। डॉ. रावत ने बताया कि सेवा प्रबंधकों के सुझाव के आधार पर एक महीने में कम से कम चार मुख्य निर्णय लिए गए हैं। टीम एक सप्ताह में एक सुझाव दे रही है।

सेवा प्रबंधक किस तरह करते हैं काम

अस्पताल के सीएमओ डॉ. विश्वनाथ धूम ने बताया कि इन सेवा प्रबंधकों की भूमिका कैजुअल्टी विभाग के प्रवेश द्वार से ही शुरू हो जाती है। कैजुअल्टी में आने वाले मरीजों के साथ एक या उससे ज्यादा दो परिजन को आने की अनुमति है, लेकिन कभी-कभार मरीजों के साथ 4 से 5 परिजन आते हैं। हालांकि, इन्हें गेट पर तैनात कर्मचारी रोकते हैं, लेकिन परिजन नहीं मानते हैं। इन्हें काउंसलिंग देने का जिम्मा एमबीए स्नातकों पर छोड़ दिया जाता है। ऑन ड्यूटी एमबीए स्नातक परिजन को समझाते हैं और भरोसा दिलाते हैं कि मरीज की देखभाल व इलाज बेहतर होगा। इसके साथ ही कैजुअल्टी में मरीजों के इलाज की अर्जेंसी को देखते हुए जांच प्रक्रिया से लेकर भर्ती प्रक्रिया प्राथमिकता पर करते हैं।

इसके लिए वे डॉक्टर्स से समन्वय बनाते हैं। किसी मरीज को ब्लड आदि की जरूरत पड़ती है, तो ब्लड बैंक से भी समन्वय कर फौरन उपलब्ध कराते हैं। एमबीए स्नातक सुफियान सिद्दीकी ने बताया कि मरीज की अर्जेंसी को देखते हुए कैजुअल्टी के डॉक्टर्स उस मरीज की जांच करने के बाद उसे पिंक चिट्ठी देते हैं, जिससे ईएमएस के डॉक्टर्स से लेकर जांच करने वाली टीम और भर्ती करने वाले डॉक्टर्स समझ जाते हैं कि मरीज को फौरन इलाज की जरूरत है। कैजुअल्टी में आने से लेकर भर्ती होने तक मरीज को सिर्फ 10 मिनट ही लगता है।

मैं फडणवीस को गिरफ्तार करने के लिए रची गई साजिश का गवाह हूं : सीएम शिंदे

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि तत्कालीन विपक्ष के नेता और वर्तमान उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके सहयोगी गिरीश महाजन को गिरफ्तार करने की पिछली महाविकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार द्वारा रची गई साजिश का मैं गवाह हूं। मैंने उन्हें रोकने के लिए उस समय जो कहा था, उसे मैं दोहरा नहीं सकता। उन्होंने विधानसभा के बजट सत्र से पहले मीडिया से बात करते हुए यह सनसनीखेज दावा किया।

शिंदे ने कहा कि अपना निर्णय बदलने के बजाय मैंने बाद में पूरी सरकार को ही गिरा दिया और एमवीए को घर पर बिठा दिया। गिरफ्तारी के जरिये भाजपा को बैकफुट पर लाने की रणनीति बनाई गई थी। साजिश में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई न करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके लिए तख्तापलट ही काफी है। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि कौन इस तरह की हरकतों में संलिप्त था। जरूरत पड़ने पर हम इस मामले की जांच शुरू करेंगे। फडणवीस ने भी इस साल जनवरी में उद्धव ठाकरे सरकार द्वारा उन्हें गिरफ्तार करने की योजना के बारे में दावा किया था। हालांकि, उस समय राज्य के गृह मंत्री रहे एनसीपी के दिलीप वाल्से पाटिल ने इस दावे का खंडन किया था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुंबई को शंघाई जैसा नहीं, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का शहर बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। लोगों को बेहतर सड़कें और सेवाएं प्रदान करने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव जीतने की जरूरत है। वह रविवार को एक सार्वजनिक समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

महाराष्ट्र/ 70 किलोमीटर का सफर और 512 किलो प्याज की कीमत सिर्फ 2 रुपए!

महाराष्ट्र के किसान का छलका दर्द

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र भर में जहां प्याज के दाम गिर रहे है. इसी के चलते सोलापुर में भी एक किसान इसकी चपेट में आया है. किसान हैरान हैं क्योंकि दिन-रात मेहनत कर उगाई 512 किलो प्याज की कीमत महज 2 रुपये है. सोलापुर जिले के बार्शी तहसील के बोरगांव (झाडी) गांव के किसान राजेंद्र तुकाराम चव्हाण ने अपने 2 एकड़ खेत में प्याज की खेती की थी. राजेंद्र चव्हाण ने 17 फरवरी, 2023 को सोलापुर के सूर्या ट्रेडर्स मे दस बोरी प्याज लेकर गए. 10 बोरी प्याज का वजन 512 किलो था. बता दें, अपनी फसल बेचने के किसान ने 70 किमी की यात्रा की थी.

लेकिन प्याज के दाम गिरने से किसान को महज 1 रुपये किलो के दाम से सिर्फ 512 रुपये मिले. मगर ट्रान्सपोर्टेशन, मजदूरी के पैसे काटने के बाद महज दो रुपए ही रह गए. कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारी सूर्या ट्रेडर्स ने राजेंद्र चव्हाण को ईन दो रुपये का चेक दिया. पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने सोशल मीडिया पर राजेंद्र चव्हाण का यही दर्द बयां किया. उन्होंने राज्य सरकार की भी आलोचना करते हुए सवाल किया कि एक व्यापारी को दो रुपये का चेक देते हुए उन्हें शर्म कैसे नहीं आई. अपनी फसल बेचने के लिए 70 किमी की यात्रा करने के बाद महाराष्ट्र के एक किसान को 512 किलो प्याज के बदले में सिर्फ 2 रुपये की कमाई हुई है. राजेंद्र तुकाराम चव्हाण (58) - महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बोरगाँव गाँव के एक किसान ने टीओआई को बताया कि, ''मुझे प्याज के लिए 1 रुपये प्रति किलो मिला.

बाहर ही नहीं घर के भीतर भी लड़कियों की सुरक्षा जरूरी, मुंबई कोर्ट की अहम टिप्पणी...

दोषी व्यक्ति को सुनाई 10 वर्ष की कठोर कारावास की सजा

मुंबईः अपनी नाबालिग बेटी के साथ यौन उत्पीड़न को लेकर स्पेशल कोर्ट ने दोषी पिता को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए अहम टिप्पणी की है। स्पेशल पॉस्को कोर्ट ने कहा कि ऐसे समय में जहां महिलाओं या लड़कियों को उनके घर के बाहर सुरक्षा की आवश्यकता होती है, ऐसे में यह मामला चेताता है कि घर के भीतर भी लड़कियों की सुरक्षा जरूरी है।स्पेशल कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि अपरिपक्व आयु की लड़कियों के साथ यौन गतिविधियों का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। किसी भरोसे वाले व्यक्ति द्वारा ऐसा अपराध करने से बच्चे के जीवन को सकारात्मक रूप से देखने की धारणा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कोर्ट ने दोषी व्यक्ति को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम 6, 12 और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत दोषी ठहराया। स्पेशल कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'वह पहला व्यक्ति था जिस पर बच्ची भरोसा कर सकती थी। एक मां की तरह उस पर बच्चे के भविष्य को संवारने की बड़ी जिम्मेदारी थी। लेकिन, दोषी व्यक्ति ने भरोसे के साथ विश्वासघात

करते हुए पीड़िता के मन पर जीवन भर के लिए एक स्थायी निशान छोड़ दिया।' अभियोजन पक्ष के अनुसार, व्यक्ति 2013 और 2017 के बीच लड़की का तब यौन उत्पीड़न करता था, जब उसकी मां काम के लिए बाहर जाती थी। उसने लड़की को इस बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी थी।

इस मामले में सांताक्रुज पुलिस स्टेशन में पॉस्को ऐक्ट की धारा 6 व 12 और आईपीसी की धारा 354, 354अ, 509, 323, 506 के तहत केस दर्ज किया गया था।

शर्मनाक है महिलाओं के खिलाफ हिंसा

स्पेशल कोर्ट ने फैसले की शुरूआत नोबल शांति पुरस्कार विजेता कोफी अन्नान के एक उद्धरण से की। कोर्ट ने कहा, 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा शायद सबसे शर्मनाक मानवाधिकार का उल्लंघन है और यह शायद सबसे व्यापक है। इसकी कोई भौगोलिक, सांस्कृतिक या आर्थिक सीमा नहीं है। यह जब तक जारी रहेगा, हम समानता, विकास और शांति की दिशा में वास्तविक प्रगति करने का दावा नहीं कर सकते हैं।'

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com